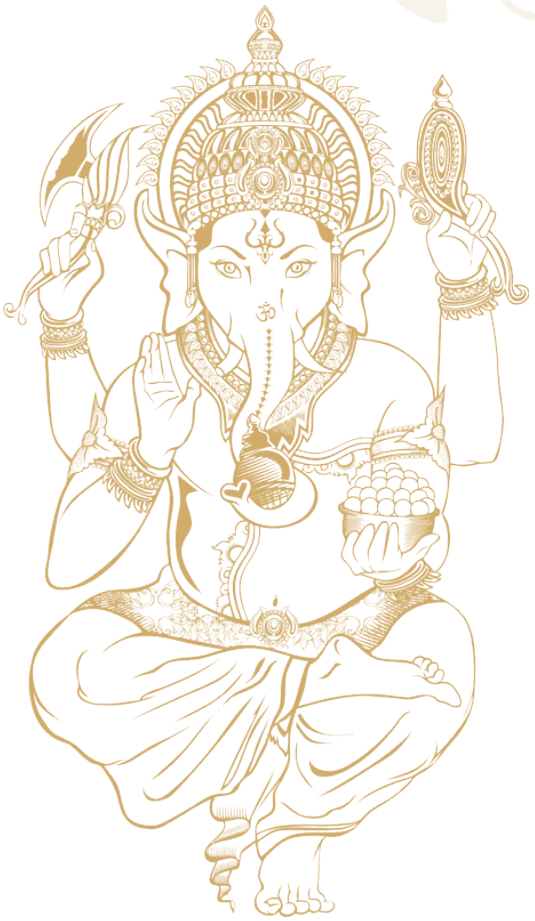

Jatin

Anuradha

Model: Web-FreeMatching

Order No: 121359702

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
10-11/12/1991	जन्म तिथि	20/11/1991
मंगल-बुधवार	दिन	बुधवार
घंटे 00:07:00	जन्म समय	16:31:00 घंटे
घटी 42:42:37	जन्म समय(घटी)	24:20:48 घटी
India	देश	India
Faridabad	स्थान	Rewari
28:24:00 उत्तर	अक्षांश	28:11:00 उत्तर
77:18:00 पूर्व	रेखांश	76:37:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:20:48	स्थानिक संस्कार	-00:23:32 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
07:01:57	सूर्योदय	06:49:01
17:25:00	सूर्यास्त	17:28:59
23:44:56	चित्रपक्षीय अयनांश	23:44:52

विंशोत्तरी
चन्द्र 6वर्ष 5मा 27दि

गुरु	
08/06/2023	
08/06/2039	
गुरु	27/07/2025
शनि	07/02/2028
बुध	15/05/2030
केतु	21/04/2031
शुक्र	20/12/2033
सूर्य	08/10/2034
चन्द्र	07/02/2036
मंगल	13/01/2037
राहु	08/06/2039

ग्रह	राशि	अंश
लग्न	सिंह	23:30:04
सूर्य	वृश्चि	24:27:19
चंद्र	मक	14:40:33
मंगल	वृश्चि	14:36:01
बुध	वृश्चि व	19:21:56
गुरु	सिंह	20:14:17
शुक्र	तुला	11:27:06
शनि	मक	09:53:49
राहु व	धनु	16:09:16
केतु व	मिथु	16:09:16
हर्ष	धनु	18:41:51
नेप	धनु	21:03:17
प्लूटो	तुला	27:37:34

ग्रह	राशि	अंश
लग्न	मेष	17:58:52
सूर्य	वृश्चि	03:52:20
चंद्र	मेष	13:56:30
मंगल	वृश्चि	00:08:57
बुध	वृश्चि	26:03:29
गुरु	सिंह	18:23:33
शुक्र	कन्या	18:17:44
शनि	मक	08:11:07
राहु व	धनु	16:51:25
केतु व	मिथु	16:51:25
हर्ष	धनु	17:38:51
नेप	धनु	21:03:17
प्लूटो	तुला	26:50:16

विंशोत्तरी
शुक्र 19वर्ष 1मा 1दि

चन्द्र	
21/12/2016	
22/12/2026	
चन्द्र	22/10/2017
मंगल	23/05/2018
राहु	22/11/2019
गुरु	23/03/2021
शनि	22/10/2022
बुध	22/03/2024
केतु	22/10/2024
शुक्र	22/06/2026
सूर्य	22/12/2026

लग्न-चलित

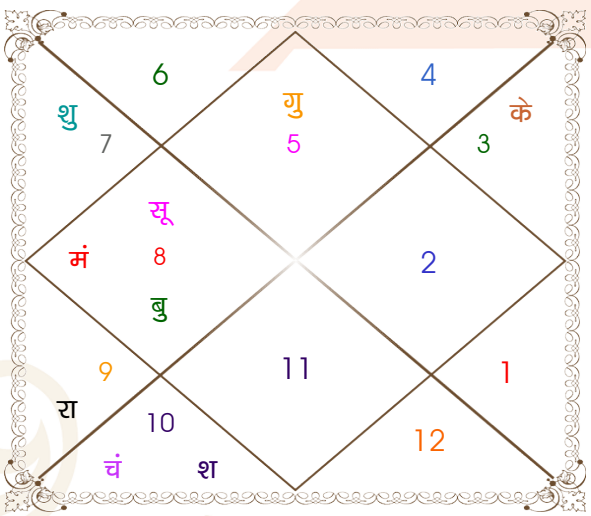

लग्न-चलित

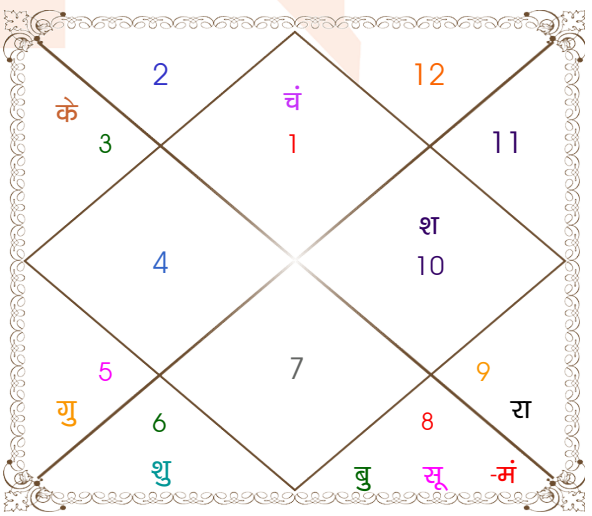

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	वैश्य	क्षत्रिय	1	0.00	--	जातीय कर्म
वश्य	चतुष्पाद	चतुष्पाद	2	2.00	--	स्वभाव
तारा	विपत	मित्र	3	1.50	--	भाग्य
योनि	वानर	गज	4	2.00	--	यौन विचार
मैत्री	शनि	मंगल	5	0.50	--	आपसी सम्बन्ध
गण	देव	मनुष्य	6	6.00	--	सामाजिकता
भकूट	मकर	मेष	7	7.00	--	जीवन शैली
नाड़ी	अन्त्य	मध्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	27.00		

Jatin का वर्ग मार्जार है तथा ।दनतंकीं का वर्ग मृग है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार Jatin और ।दनतंकीं का मिलान अत्युत्तम है।

मंगलीक दोष मिलान

Jatin मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में चतुर्थ भाव में स्थित है।

अजे लग्ने व्यये चापे पाताले वृश्चिके स्थिते।
वृषे जाये घटे रन्ध्रे भौम दोषो न विद्यते।।

अर्थात् मेष राशि लग्न में, द्वादश में धनुराशि, चतुर्थ में वृश्चिक राशि, सप्तम में वृष राशि तथा अष्टम में कुम्भ राशि में मंगल स्थित हो तो मंगल दोष नहीं होता है। क्योंकि मंगल Jatin कि कुण्डली में चतुर्थ भाव में वृश्चिक राशि में स्थित है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

तनुधनुमदमायुर्लाभ व्ययगः कुजस्तु दाम्पत्यम्।
विघटयति तद् गृहेशो न विघटयति तुंगमित्रगेहेवा।।

यदि मंगल स्व राशि अथवा उच्च का हो तो मंगली दोष भंग हो जाता है।

क्योंकि मंगल Jatin कि कुण्डली में स्वराशि में है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

।दनतंकीं मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में अष्टम् भाव में स्थित है।

तनुधनुमदमायुर्लाभ व्ययगः कुजस्तु दाम्पत्यम्।
विघटयति तद् गृहेशो न विघटयति तुंगमित्रगेहेवा।।

यदि मंगल स्व राशि अथवा उच्च का हो तो मंगली दोष भंग हो जाता है।

क्योंकि मंगल ।दनतंकीं कि कुण्डली में स्वराशि में है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

गुणबाहुल्ये भौमदोषो न विद्यते।।

यदि अधिक गुण मिलते हों तो मंगल दोष नहीं लगता।

क्योंकि अधिक गुण मिलते हैं अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि शनि Jatin कि कुण्डली में षष्ठ भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

Jatin तथा ।दनतंकीं में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।